बी.ए. प्रथम वर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

B.A. Part I Paper I

भारत का राजनीतिक इतिहास (पेपर कोड 0133)

(हड़प्पा संस्कृति से 319 ई. तक)

Political History of India (Harappa Culture to 319 A.D.)

पूर्णांक : 75

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को संबंधित कालखण्ड के राजनीतिक इतिहास की समुचित जानकारी देना है।

इकाई– 1 (1) प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत (Sources of Ancient Indian History)
(2) हड़प्पा तथा समकालीन ताम्राश्म संस्कृतियॉ (Harappa and Contemporary Chalcolithic Culture)
(3) वैदिक युग (Vedic Age)

इकाई– 2 (1) महाजन पद युग (Mahajanpada Age)
(2) मगध साम्राज्य का उत्कर्ष (Rise of Magadha Kingdom)

इकाई– 3 (1) सिकन्दर का आक्रमण और उसके प्रभाव (Alexander's Invasion and it's impact)
(2) मौर्य साम्राज्य का उत्थान और उसके प्रभाव (Rise of Mauryan empire and its impact)

इकाई– 4 (1) हिन्द–यूनानी (Indo-Greeks)
(2) शुंग (Shungas)
(3) सातवाहन (Satvahanas)
(4) शक–क्षत्रप, पार्थियन (Shak-Kshatrapas, Parthiyan)
(5) खारवेल (Kharvela)

इकाई– 5 (1) संगम युग (Sangam Age)
(2) कुषाण (Kushanas)
(3) मालव, यौधेय, अर्जुनायन तथा औदुम्बर (Malavas, Youdheyas, Arjunayana and Audumbara)
(4) नागवंश (Nagas)

सहायक ग्रंथ :

1. एच.सी. रायचौधरी – प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास
2. के.ए. नीलकंठ शास्त्री – दक्षिण भारत का इतिहास
3. कृष्णदत्त बाजपेयी तथा विमलचंन्द्र पांडेय – प्राचीन भारत का इतिहास
4. विमल चन्द्र पांडेय – प्राचीन भारत का राजनीति तथा सांस्कृतिक इतिहास भाग एक
5. किरन कुमार थप्याल – सैंधव सम्यता
6. गुलाम, याजदानी (संपा.) – दकन का इतिहास
7. राजबली पाण्डेय – प्राचीन भारत
8. H.C. Roycoudhary - Political History of Ancient India
9. R.C. Majumdar (Ed.) - The Age of Imperial Unity
10. Romila Thaper - History of India
11. K.A, Nilkanta Shastry - History of South India
12. व्ही.डी.झा. सुष्मिता पाण्डेय, डॉ.ओम प्रकाश – Ashoka and the declaim of Moury empire

बी.ए. प्रथम वर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

B.A. Part I Paper II

भारत का राजनीतिक इतिहास (319 ई.से 1300 ई. सन् तक)

Political History of India (From 319 A.D. to 1300 A.D.)

पूर्णांक : 75

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संबंधित कालखण्ड के राजनीतिक इतिहास का समुचित ज्ञान प्रदान करना है।

इकाई– 1 (1) गुप्तों की उत्पत्ति एवं प्रारंभिक इतिहास (Rise of Guptas and their early History)
(2) चन्द्रगुप्त प्रथम, रामगुप्त, समुद्रगुप्त (Chandragupta – I, Ramagupta, Samudragupta)
(3) कुमारगुप्त प्रथम, स्कन्दगुप्त (Kumargupta – I, Shandgupta)
(4) वाकाटक राजवंश, गुप्त–वाकाटक सम्बन्ध (Vakataka Dynasty, Gupta Vakataka relation)

इकाई– 2 (1) परवर्ती गुप्त राजवंश (Later Gupta Rulers)
(2) मौखरी (Maukharis)
(3) वर्धन राजवंश और हर्ष का प्रशासन (Vardhana Dynasty and Administration of Harsha)

इकाई– 3 (1) बादामी के चालुक्य (Chalukyas of Badami)
(2) कांची के पल्लव (Pallavas of Kanchi)
(3) चोल तथा उनका प्रशासन (Cholas and their administration)

इकाई– 4 (1) गुर्जर प्रतिहार (Gurjara Pratihara)
(2) राष्ट्रकूट (Rashtrakutas)
(3) पाल (Palas)
(4) गाहड़वाल (Gahadwalas)

इकाई– 5 (1) चन्देल (Chandela)
(2) परमार (Parmaras)
(3) चाहमान (Chahmanas)
(4) त्रिपुरी के कलचुरि (Kalachuris of Tripuri)
(5) रतनपुर के कलचुरि (Kalachuris of Ratanpur)

अनुशंशित पुस्तके :

1. उदयनारायण राय – गुप्त राजवंश तथा उसका इतिहास (नया संस्करण) 1988
2. श्री राम गोयल – भारत का राजनैतिक इतिहास भाग 2 एवं 3
3. श्री राम गोयल – गुप्त साम्राज्य का इतिहास
4. Ashvini Agrawal - Rise and Fall of the imperial Gupta
5. विशुद्धानंद पाठक – उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास
6. अवध बिहारी लाल अवस्थी – राजपूत राजवंश
7. डी.सी.गांगुली – परमार राजवंश
8. भगवती प्रसाद पांथरी – मौखरी और पुष्यभूमि राजवंश
9. डॉ.के.ए.नीलकंठ शास्त्री – दक्षिण भारत का इतिहास
10. डॉ.बैजनाथ शर्मा – हर्षवर्धन
11. R.C. Majumdar & A.D. Pusalkar (Ed.) - The Classicale Age "The age of Imperial Unity" The Strangle for Empire
12. Majumdar, Roy Choudhary - An Advanced History of India Vol. I

बी.ए. द्वितीय वर्ष
B.A. Part II Paper I

प्रथम : प्रश्न–पत्र

प्राचीन भारतीय सामाजिक तथा आर्थिक संस्थाएं (पेपर कोड 0134)

Ancient Indian Social and Economic Institution

पूर्णांक : 75

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य प्राचीन भारत की सामाजिक तथा आर्थिक संस्थाओं का सामान्य ज्ञान कराना है।

इकाई– 1 (1) वर्णाश्रम व्यवस्था (Varna System)
(2) आश्रम व्यवस्था (Ashramas)
(3) पुरूषार्थ चतुष्टय (Purushartha Chatushthaya)
(4) पंचमहायज्ञ (Pancha mahayagya)

इकाई– 2 (1) संस्कार (Sanskaras)
(2) विवाह तथा उसके प्रकार (Marriage and their types)
(3) परिवार की उत्पत्ति तथा महत्व, संयुक्त परिवार, पिता,माता, तथा पुत्र की स्थिति, पुत्रों के प्रकार
(Origin of Family and its Significance, Joint Family, position of Father, Mother and Sons; Types of Son)

इकाई– 3 (1) नारियों की स्थिति (Position of Women)
(2) शिक्षा–उद्देश्य, आदर्श, उपलब्धियॉ तथा प्रमुख शिक्षा केन्द्र
(Objectives of Education, Model, Achievements and Important education Centres)

इकाई– 4 (1) वैदिक काल से 600 ई.पू. तक प्राचीन भारत की आर्थिक दशा
(Economic Condition of Ancient India from Vedic age to 600 B.C.)
(2) श्रेणियों का संगठन और कार्य (Organisation and working of Guilds)
(3) 600 ई.पू. से 319 इ. तक प्राचीन भारत की आर्थिक दशा
(Economic Condition of Ancient India from 600 B.C. to 319 A.D.)

इकाई– 5 (1) 319 ई से 1200 ई. तक प्राचीन भारत की आर्थिक दशा
(Economic Condition of Ancient India from 319A.D. to 1200 A.D.)
(2) आंतरिक और बाह्य व्यापारिक मार्ग (Domestic and International trade routes)

सहायक ग्रंथ :

1. मनोरमा जौहरी – प्राचीन भारतीय वर्णाश्रम व्यवस्था
2. जयशंकर मिश्र – भारत की सामाजिक इतिहास
3. के.सी.जैन – प्राचीन भारतीय सामाजिक तथा आर्थिक संस्थाएं
4. राजबली पाण्डेय – हिन्दू संस्कार
5. हरिदत्त वेदालंकार – हिन्दू परिवार मीमांसा
6. ए.एस.अल्तेकर – प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति
7. आर.एस.शर्मा – प्राचीन भारत में शूद्रों की स्थिति
8. ए.एस.अल्तेकर – प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति
9. रमेशचन्द्र मजुमदार (अनु.कृष्णदत्त बाजपेयी) – प्राचीन भारत में संगठित जीवन
10. मोतीचन्द्र – सार्थवाह
11. कृष्णदत्त बाजपेयी – भारतीय व्यापार का इतिहास
12. कृष्णदत्त बाजपेयी – प्राचीन भारत का विदेशों में सबंध
13. आर.एस.शर्मा – पूर्व मध्यकालीन भारत में सामाजिक परिवर्तन
14. डॉ. चन्द्रदेव सिंह – प्राचीन भारतीय समाज और चिन्तन
15. सुस्मिता पाण्डेय – समाज, आर्थिक व्यवस्था एवम् धर्म
16. P.N. Prabhu - Hindu Social Organization
17. S.K. Maity - The Economics life of Northem India in the Gupta Period.
18. L.Gopal - Economic life of Northem Indian
19. D.R. Das - Econimics History of the Dean
20. शिव स्वरूप सहसा – प्राचीन भारतीय सामाजिक, आर्थिक संस्थाएं

बी.ए. द्वितीय वर्ष

द्वितीय : प्रश्न–पत्र

B.A. Part II Paper II

प्राचीन भारतीय राजनय तथा प्रशासन (पेपर कोड 0205)

Ancient Indian Polity and Administration

पूर्णांक : 75

इकाई– 1 राज्य की उत्पत्ति, प्रकार, स्वरूप तथा कार्य।
(Origin, types, form, and function of State)

इकाई– 2 राजपद, मंत्रिपरिषद्–संगठन एवं कार्य, सप्तांग सिद्धांत।
(Kingship; organisation and working of Council of Ministers; Theory of Saptanga)

इकाई– 3 गणराज्य : संगठन, शासन, पद्धति, गुण–दोष
(Republics: organisation, government, system, Pros & Cons)

इकाई– 4 अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मण्डल सिद्धांत, षाडगुण्य सिद्धांत, दूत व्यवस्था, गुप्तचर व्यवस्था।
(International Relation, Principle of Mandala, Principle of Shadgunya, Ambassadors, Espionage)

इकाई– 5 विभिन्न राजवंशों की प्रशासन व्यवस्था :
मौर्य, गुप्त, हर्ष कालीन वंश की प्रशासन, राष्ट्रकूट एवं चोलवंश।
(Administrative system of various Dynasties: Mauryas, Guptas, period of Harsha, Rashtrakutas and Cholas)

अनुशंशित पुस्तके :

1. अनंत सदाशिव अल्तेकर – प्राचीन भारतीय शासन पद्धति (Ancient Indian Administration)
2. काशी प्रसादा जायसवाल – हिन्दू राजतंत्र, भाग 1, 2 (Hindu Polity)
3. डॉ. रवींन्द्रनाथ अग्रवाल – मध्यप्रदेश क्षेत्र के अंतर्राज्यीय संबंधों का अध्ययन
4. सत्यकेतु विद्यालंकर – प्राचीन भारतीय शासन व्यवस्था एवं राज्य शास्त्र
5. मनोरमा जौहरी – प्राचीन भारत में राज्य और शासन व्यवस्था
6. हरिशचन्द्र शर्मा – प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचारक एवं संस्थाएं
7. राधाकृष्ण चौधरी – प्राचीन भारतीय राजनीति एवं शासन व्यवस्था

बी.ए. तृतीय वर्ष

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व

प्रथम : प्रश्न–पत्र

B.A. Part III Paper I

भारतीय वास्तु तथा कला के मूल तत्व (पेपर कोड 0266)

Elements of Ancient Indian Architecture and Art

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 हड़प्पा कालीन वास्तु, मौर्य कालीन वास्तु, स्तूप वास्तु (सांची, भरहुत तथा अमरावती), पश्चिमी भारत के चैत्यगृह तथा विहार– भाजा, कालें, कोण्डाने, अजंता और एलोरा।
(Architecture of Harappan period, Mauryan period; Stupa Architecture (Sanchi, Bharhut and Amravati), Chaityas and Viharas of Western India (Bhaja, Karle, Konden, Ajanta and Ellora)

इकाई– 2 मंदिर वास्तु का उद्‌भव एवं विकास, मंदिर वास्तु की विभिन्न शैली–नागर, बेसर एवं द्रविड़।
(Origin and development of Temple Architecture, Various Styles of Temple Architecture – Nagara, Vessara & Dravida)

इकाई– 3 मूर्तिकला–हड़प्पा कालीन, मौर्यकालीन, शुंभकालीन, कुषाण कालीन (गांधार एवं मथुरा)।
(Iconography – Harappa period, Mauryan period, Shunga period, Kushana period (Gandhara & Mathura)

इकाई– 4 प्राचीन भारत में मूर्ति पूजा का उद्‌भव एवं विकास (विष्णु, शिव, बौद्ध एवं जैन प्रतिमा के विशेष संदर्भ में)।
(Origin and development of idol worship in Ancient India, with special reference to Vishnu, Shiva, Jaina & Buddhist sculptures)

इकाई– 5 प्रागैतिहासिक चित्रकला, सिघंनपुर की चित्रकला, काबरा पहाड़ एवं अंजता और बाघ की चित्रकला।
(Pre-historic paintings, Painting of Singhanpur and Kabrapahar, Ajanta & Bagh Paintings)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. वासुदेव शरण अग्रवाल – भारतीय कला भाग–1
2. रामनाथ मिश्र – भारतीय मूर्तिकला
3. कृष्णदत्त बाजपेयी – भारतीय वास्तुकला का इतिहास
4. वासुदेव उपाध्याय – प्राचीन भारतीय स्तूप, गुहा एवं मंदिर
5. कृष्णदत्त बाजपेयी एवं संतोष कुमार बाजपेयी – भारतीय कला
6. सच्चिदानंद पांडेय – मंदिर स्थापत्य का इतिहास
7. जयनारायण पांडेय – भारतीय कला
8. मारूतिनंदन प्रसाद तिवारी तथा कमल गिरी – भारतीय प्रतिमा विज्ञान
9. ए.एल. श्रीवास्तव – भारतीय कला
10. A.. Coomarswami - History of Indian and Indonesian Art
11. Percy Brown - Indian Architecture, Vol. I
12. Krishnadeva - Temples of North India
13. S.Kramrisch - Hindu Temple Part I & II

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (अ)

B.A. Part III Paper II (A)

भारतीय पुरातत्व के मूलतत्व (पेपर कोड 0267)

Elements of Indian Archaeology

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 पुरातत्व विज्ञान की परिभाषा, विस्तार क्षेत्र का अध्ययन, अन्य विषयों से संबंध।
(Definition, extent and relationship of Archaeology with other branches of Studies)

इकाई– 2 भारत में पुरातत्व का इतिहास, प्राचीन स्थलों की खोज एवं तिथि निर्धारण।
(History of Indian Archaeology, Discovery of Ancient Sites and Dating Methods)

इकाई– 3 उत्खनन–विधियॉ, सर्वेक्षण, स्तर विन्यास, उत्खनन का लेखा–जोखा।
(Methods of Excavation, Survey, Stratification, Documentation of excavation)

इकाई– 4 भृदभाण्ड, गैरिक भृदभाण्ड, चित्रित धूसर भृदभाण्ड, काले और लाल भृदभाण्ड, उत्तरी कृष्ण मर्जित भृदभाण्ड (एन.वी.पी.)।
(Pottery: Ochre Coloured Pottery (O.C.P.), Painted Grey Ware (P.G.W.), Black & Red Ware (B.R.W.), Northern Black Polished Ware (N.B.P.W.)

इकाई– 5 प्रमुख पुरास्थलों का अध्ययन–
कालीबंगा, एरण, कौशाम्बी, हस्तिनापुर, ब्रह्यगिरी, सिरपुर, मल्हार।
(Important Archaeological sites: Kalibangan, Eran, Koshambi, Hastinapur, Brahmgiri, Sirpur, Malhar)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. के.डी. बाजपेयी – मध्यप्रदेश का पुरातत्व
2. आर.एम. व्हीलर – पृथ्वी से पुरातत्व
3. बी.एन.पुरी – पुरातत्व विज्ञान
4. जयनारायण पाण्डेय – पुरातत्व विमर्श
5. राकेश प्रकाश पाण्डेय – पुरातत्व विज्ञान
6. मदन मोहन सिंह – पुरातत्व की रूपरेखा

''अथवा''

बी.ए. तृतीय वर्ष

द्वितीय : प्रश्न–पत्र (ब)

B.A. Part III Paper II (B)

(ब) पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व (पेपर कोड 0268)

Elements of Palaeography and Numismatics

पूर्णांक : 50

इकाई– 1 (1) प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व।
(Significance of Epigraphy for writing Ancient Indian History)
(2) लेखन कला का उद्‌भव एवं विकास।
(Origin and development of writing skill)
(3) अभिलेखों में प्रयुक्त भाषायें, लिपियॉ तथा सामग्री।
(Languages, Scripts and materials used for Inscriptions)

इकाई– 2 निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व : (Historic significance of the following Inscription)
(1) अशोक का द्वितीय शिलालेख। (2^{nd} rock edict of Ashoka)
(2) अशोक का बारहवां शिलालेख। (12^{th} rock edict of Ashoka)
(3) हेलियोडोरस का बेसनगर स्तम्भलेख। (Besnagar Pillar Inscription of Heliodorus)
(4) गौतमी पुत्र सातकर्णी का नासिक अभिलेख। (Nasik Inscription of Gautamiputra Satkarni)
(5) खारवेल का हाथिगुफा अभिलेख। (Hanthigumpha Inscription of Kharvela)
(6) रूद्र दामन का जूनागढ़ (Junagarh Inscription of Rudradaman)

इकाई– 3 (1) समुद्र गुप्त का प्रयाग प्रशस्ति अभिलेख। (Allahabad Pillar Inscription of Samudragupta)
(2) पुलकेशिन द्वितीय का एहोल लेख। (Aihole Inscription of Pulakeshin – II)
(3) हर्ष का बांसखेड़ा अभिलेख। (Banskhera Inscription of Harsha)
(4) महारानी वासटा का लक्ष्मण मंदिर अभिलेख। (Lakshman temple Inscription of Queen Vasta)
(5) जाजल्ल देव प्रथम का रतनपुर अभिलेख। (Ratanpur Inscription of Jajalladeva)

इकाई– 4 इतिहास की पुनर्रचान में मुद्रा का महत्व, मुदा का उद्‌भव एवं प्राचीनता, मुद्रा निर्माण तकनीक तथा आहत सिक्के ।
(Significance of Numismatics for writing Ancient Indian History, Origin and antiquity of Coins, Minting Techniques of Coins, Punch-Marked Coins)

इकाई– 5 कुषाण कालीन सिक्के, जनपदीय सिक्के (तक्षशिला, कौशाम्बी, एरण), गुप्त कालीन मुद्रायें, समुद्र गुप्त, चन्द्रगुप्त द्वितीय, एवं कुमारगुप्त की स्वर्ण रजत एवं ताम्र मुद्राये स्थानीय मुद्राये शरभपुरीय, नलवंशीय एवं कलचुरी राजवंश।
Kushana Coins, Janpada Coins (Taxila, Kaushambi, Eran), Gupta coins, Gold, Silver and Copper coins of Samudragupta, Chandragupta-II and Kumaragupta; Regional coins: Sharabhpuriya, Nala, Kalachuri)

अनुशंशित ग्रंथ :

1. डी.सी.सरकार – इंडियन एपिग्राफी
2. डी.सी.सरकार – सेलेक्ट इन्सक्रिप्शन्स भाग 1 व 2
3. एस.एच.दानी – इंडियन पैलियोग्राफी
4. वासुदेव बाजपेयी – प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्यय
5. कृष्णदत्त बाजपेयी, कन्हैयालाल अग्रवाल संतोष कुमार बाजपेयी –ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख
6. परमेश्वरी लाल गुप्ता – प्राचीन भारतीय मुद्राऍ
7. डी.सी.सरकार – स्टडीज एवं इंडियन क्वाएन्स
8. ए.के.शरण – ट्राइबल क्वाएन्स
9. भास्कर चट्‌टोपाध्याय – द एज ऑफ दि कुषाणजःए न्यूमिस्मेटिक स्टडी
10. ए.एस. अल्तेकर – गुप्तकालीन मुद्राऍ
11. राजवंत राव – प्राचीन भारतीय मुद्राऍ

प्रायोगिक तथा मौखिक परीक्षा

पूर्णांक – 50

1. किसी महत्वपूर्ण पुरातात्विक/ऐतिहासिक स्थान का भ्रमण एवं विवरण प्रस्तुति – 20 अंक
2. पुरावस्तुओं की पहचान – 20 अंक
3. मौखिकी – 10 अंक

योग – 50 अंक

(डॉ. दिनेश नंदिनी परिहार)	(डॉ. अनुप परसाई)	(डॉ. नितेश कुमार मिश्र)
अध्यक्ष	सदस्य	सदस्य
केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल	केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल	केन्द्रीय अध्ययन मंड़ल